

БЕЛЕЖКИ КЪМЪ ГЛАВА I.

¹ Prof. Dr. F. v. Hochstetter, въ Mittheil. der k.k. geogr. Gesellschaft in Wien 1870, 19.

² Strabo VII, p. 313: Τρόπον γάρ τινα τῇ Ἰστρῳ παράλληλά ἐστι τά τε Ἰλλυρικὰ καὶ τὰ Παιονικὰ καὶ τὰ Θράκια ὄρη, μίαν πῶς γραμμὴν ἀποτελοῦντα, διήκουσαν ἀπὸ τοῦ Ἀδρίου μέχρι πρὸς τὸν Πόντον. Frg. VII. 1. 10: ἡ Μακεδονία περιορίζεται ἐκ βορρᾶ τῇ νοομένη εὐθείᾳ γραμμῇ τῇ διὰ Βερτίσκου ὄρους καὶ Σκάρδου καὶ Ὀρεγίλου καὶ Ῥοδοπης καὶ Αἰμον. τὰ γάρ ὄρη ταῦτα, ἀρχόμενα ἀπὸ τοῦ Ἀδρίου, διήκει κατὰ εὐθεΐαν γραμμὴν ἕως τοῦ Εὐξείνου. Ср. Anonymi Periplus Ponti Eux. въ Сборн. на Hoffmann'a, Leipz. 1842, стр. 197.

³ Nikephoros Gregoras ed. Bonn. I, 375: Τὰ ὑπερκείμενα μέγιστα ὄρη, ἃ κατὰ τὸ συνεχὲς παρατείνει μέχρι τοῦ Ἰονίου πελάγους ἐκ τοῦ πόντου ἀρξάμενα τοῦ Εὐξείνου, ὀρίζοντα μὲν πρὸς μεσημβρίαν καὶ νότον ἀνεμὸν Θράκην καὶ Μακεδονίαν, πρὸς δ' ἄρκτους τὰς τε Μυσῶν χώρας καὶ ποταμὸν τὸν Ἰστρον.

⁴ Anna Komnena ed. Par. 451.

⁵ A. Boué, La Turquie d'Europe. Paris 1840, I 217. Grisebach, Reise durch Rumelien. Göttingen 1841. II 110. A. Boué, Ueber die sogenannte Centralkette der europ. Türkei, Sitzber. d. W. Akad. LIII (1866). Ср. по тоя въпросъ Dr. Const. Ios. Iireček, Die Heerstrasse von Belgrad nach Constantinopel und die Balkanpässe. Prag 1877 стр. 139-140.

⁶ F. Kanitz, Reise in Süd-Serbien und Nord-Bulgarien. Wien 1868, 31. — М. Б. Миличевичъ, Кнежевина Србија, Београд 1876, стр. 776.

⁷ Мачай, Описаніе Княжевацкаго округа, въ Гласникъ српског ученог друштва (1866) XIX.

⁸ Опитвали сж се да обяснятъ това име съ старо-бактрийското аесма — гора. Tomaschek, Rosalia und Brumalia, Sitzber. der W. Akad. 1869, 393.

⁹ На нѣкои карти това име погрѣшно е поставено въ Западния Балканъ. Първо споменуване на това име ние намѣрихме у дубровнишкия поетъ Гундуличъ (†1638) въ поемата Османъ, III. 53. Името Коджа-Балканъ досега се е прилагало еднакво ту на западната, ту на централната частъ. За Каменица вж.: Schweigger, Reise (Nürnberg 1608) 47. Јас. Pejačević, Veteris et novae geographiae congeries (Zagrabiae 1714) у Schwandtner, Scriptores rerum ung. 3, 789.

¹⁰ Dr. F. von Hochstetter, Reise durch Rumelien, Mittheil, der K. K. geogr. Gesellschaft. XIII. 1870. 598.

¹¹ Kanitz, Donau—Bulgarien. II, 317.